MR. CHAIRMAN: What is your suggestion? Please keep in mind the time.

SHRI KANAKAMEDALA RAVINDRA KUMAR: Therefore, I request the Central Government to take the necessary steps and direct the State Government to deliver possession of the houses immediately and also take steps to construct the houses under Pradhan Mantri Awas Yojana-Gramin Scheme in order to render development and welfare to the poor people in the State of Andhra Pradesh.

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I would also like to associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I would also like to associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I would also like to associate myself with the Zero Hour mention made by the hon. Member.

MR. CHAIRMAN: When two people's names are there, the first Member will get two minutes and the second person will get one minute. Keep that in mind. Now, Shrimati Mamata Mohanta.

Need for opening of a Navodaya Vidayalya at Mayurbhanj in Odisha

श्रीमती ममता मोहंता (ओडिशा) : सभापति महोदय, आपने मुझे एक महत्वपूर्ण विषय पर बोलने की अनुमति दी, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

महोदय, हमारे जीवन में शिक्षा का क्या महत्व है, यह किसी को बताने की जरूरत नहीं है। हर माता-पिता की तमन्ना होती है कि उनका बच्चा पढ़-लिखकर खूब बड़ा बने और दुनिया में खूब नाम रोशन करे। इन स्वप्नों को पूरा करने में जवाहर नवोदय विद्यालयों द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है। इनमें ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले प्रतिभाशाली बच्चों को अच्छी एवं आधुनिक शिक्षा प्रदान की जा रही है। इसी संदर्भ में, मैं सरकार का ध्यान ओडिशा के मयूरभंज जिले के रायरंगपुर सबडिवीज़न में एक नवोदय विद्यालय की माँग की ओर आकर्षित कर रही हूँ। मयूरभंज के जनसाधारण कृषि और कृषि श्रम के आधार पर जीवनयापन करते हैं। यह जनजाति बहुल पिछड़ा जिला है और अधिकांश लोग गरीब हैं। वे अपने बच्चों को शिक्षा देने में बहुत रुचि रखते हैं, पर आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण प्राइवेट स्कूल से शिक्षा दिलाने में असमर्थ हैं। वह जिला बहुत बड़ा है। वहाँ एक नवोदय विद्यालय है, लेकिन ज्यादा छात्र होने से कई प्रतिभाशाली छात्र प्रवेश से वंचित रह जाते हैं।

अतः मैं सदन के माध्यम से माननीय मंत्री जी से आग्रह करती हूँ कि इस मामले को संज्ञान में लेकर ओडिशा के मयूरभंज जिला के रायरंगपुर सबडिवीज़न में एक नवोदय विद्यालय की स्थापना यथाशीघ्र करवाने की कृपा करें।

श्री सुभाष चंद्र सिंह (ओडिशा) : सर, मैं माननीय सदस्या द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI SUJEET KUMAR (Odisha): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

Need for improving facilities at Ajanta- Ellora caves and Devagiri fort at Aurangabad

डा. भागवत कराड़ (महाराष्ट्र):* सर, मैं मराठी में बोलना चाहता हूँ । कृपया मुझे अनुमति दीजिए।

पिछले सप्ताह इस सदन में पर्यटन मंत्रालय पर चर्चा हुई थी। उसमें सदस्यों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन विकास पर अपने विचार रखे। देश की अर्थव्यवस्था और रोजगार वृद्धि के लिए पर्यटन क्षेत्र की भूमिका महत्वपूर्ण है।

माननीय सभापति महोदय, विश्व प्रसिद्ध अजंता-एलोरा गुफाएँ औरंगाबाद संभाजीनगर शहर के करीब है। अजंता गुफाएँ लगभग ढाई हज़ार साल पुरानी और एलोरा गुफाएँ लगभग दो हज़ार साल पुरानी है। महोदय, अजंता गुफाओं में बौद्ध धर्म के विविध रूप, सभागृह, प्रार्थना गृह, संस्कृति, निवास व्यवस्था आदि का चित्रण दीवारों पर और छतों पर चित्रों में दिखाया गया है। भगवान बुद्ध के जीवन के अलग-अलग प्रसंग और बौद्ध देवताओं के अनेक चित्र यहाँ मिलते हैं।

महोदय, 1983 में यूनेस्को ने वैश्विक सर्वेक्षण किया। उसमें हमारे देश के सिर्फ चार पर्यटन स्थलों को चुना गया था । इन विश्व धरोहर स्थलों मे अजंता, एलोरा गुफाएँ और ताजमहल तथा आगरा का किला का समावेश किया गया है । एलोरा में 34 गुफाएँ हैं। उनमें से 1 से 10 गुफाओं में बौद्ध धर्म के बारे में, 13 से 20 गुफाओं में हिंदू धर्म के बारे में तथा 30 से 34 क्रम की गुफाओं मे जैन धर्म के बारे में जानकारी दी गई है। एलोरा गुफाओं में सोलहवें क्रम की जो कैलाश गुफा है, वो एक

---

* Hindi translation of the Original speech delivered in Marathi.